ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

REACHING NATIONS

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXVIII SEPTEMBER 2023 **No.10**

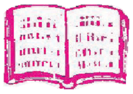

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन 101:1-8

1 मैं करुणा और न्याय के विषय गाऊँगा; हे यहोवा, मैं तेरा ही भजन गाऊँगा।

2 मैं बुद्धिमानी से खरे मार्ग में चलूँगा। तू मेरे पास कब आएगा? मैं अपने घर में मन की खराई के साथ चलूँगा;

3 मैं किसी ओछे काम पर चित्त न लगाऊँगा। मैं कुमार्ग पर चलनेवालों के काम से घिन रखता हूँ; ऐसे काम में मैं न लगूँगा।

4 टेढ़ा स्वभाव मुझ से दूर रहेगा; मैं बुराई को जानूँगा भी नहीं।

5 जो छिपकर अपने पड़ोसी की चुगली खाए, उसका मैं सत्यानाश करूँगा; जिसकी आँखें चढ़ी हों और जिसका मन घमण्डी है, उसकी मैं न सहूँगा।

6 मेरी आँखें देश के विश्वासयोग्य लोगों पर लगी रहेंगी कि वे मेरे संग रहें; जो खरे मार्ग पर चलता है वही मेरा टहलुआ होगा।

7 जो छल करता है वह मेरे घर के भीतर न रहने पाएगा; जो झूठ बोलता है वह मेरे सामने बना न रहेगा।

8 भोर ही भोर को मैं देश के सब दुष्टों का सत्यानाश किया करूँगा, इसलिये कि यहोवा के नगर के सब अनर्थकारियों को नष्ट करूँ।

मत डर!

FEAR NOT! - यशायाह 41:10

संदेश जो आपका विश्वास दिलाएगा! ध्यान से पढ़ें!!

पा. एस. सैम सेल्वा राज

कुछ लोग कहते थे, "मैं हर सुबह केवल उन समस्याओं का सामना करने के लिए उठता हूं जिनका वर्णन नहीं किया जा सकता।" वे हैं - शारीरिक एवं भावनात्मक तथा पारिवारिक समस्याएं। कई लोग विपत्ति पर विपत्ति से त्रस्त हैं और चिंता करते हैं। अक्सर वे कहते थे, "यह सब मेरे लिए सहने से बाहर है। मेरी समस्याएं मुझे हराने पर आमादा हैं! मुझमें अब इन समस्याओं से लड़ने की ताकत नहीं है। मैं इससे कब कैसे निकल पाऊंगा?" यह आपका आज का अनुभव हो सकता है!

हमारी सेवकाई को प्रतिदिन अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुज़रने वाले संतों के अनेक पत्र प्राप्त होते थे। कुछ दिन पहले, मैंने लगभग आधा दिन इनमें से कुछ पत्रों को पढ़ने में बिताया : एक भक्तिमान महिला ने सूचित किया : "मेरी शादी को पैंतीस साल से अधिक हो गए हैं और अब मैं दादी बन गई हूं। लेकिन अब मेरे पति द्वारा मेरे परिवार को नष्ट किया जा रहा है। वह परमेश्वर का अभिषिक्त जन था और परमेश्वर अक्सर उनका उपयोग करता था। उसके अंदर की आग अब ख़त्म हो चुकी है। कृपया उनके और मेरे परिवार के लिए प्रार्थना करें। उसे मुझसे

पृष्ठ 3में क्रमश:...

एको ऑफ हिज़ कॉल

5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 5 बजे *तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे*

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

REACHING NATIONS

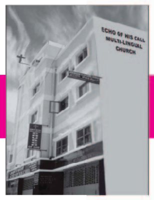

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION

Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
Dr. Rabinder Boaz, M.S.
Bro. K. Puratchivendan

EDITORIAL BOARD

Sis. Jesy Veena Sam
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Dr. A. Richard Samuel, M.A., Ph.D.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER

Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID

sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL

Echo of His Call

"छोटे से छोटा एक हज़ार हो जाएगा और सबसे दुर्बल एक सामर्थी जाति बन जाएगा। मैं यहोवा हूँ; ठीक समय पर यह सब कुछ शीघ्रता से पूरा करूँगा" यशायाह - 60:22

प्रभु में अति प्रिय!

हम अपने प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में आपका स्वागत करते हैं!

हमें विश्वास है कि आप सब कुशलपूर्वक हैं। हम हर दिन आपके लिए प्रार्थना करते हैं। चूँकि परमेश्वर आपके साथ है, इसलिए हुई बांधे।

प्रभु का सामर्थी हाथ हमारे से कैसे संबंध हमारी सभी हालिया यात्राओं और हमारे सभी प्रयासों और गतिविधियों में हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। प्रभु यीशु मसीह रात-दिन बिना सोए हमारे साथ थे। स्वर्गीय पिता आपको भी बहुतायत से आशीष दे।

हमारी सेवकाई में परमेश्वर के कई सेवक हैं, और उनके परिवारों में से कई बीमार हैं। दुख की बात है कि इस कारण उन्हें अपनी जिम्मेदारियां पूरी तरह से निभाने में बाधा उत्पन्न हुई है। हम इस मामले में आपकी सच्ची प्रार्थनाएँ चाहते हैं। यह बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण है।

यह दुखद रूप से हमारे ध्यान में आया है कि आप में से कई लोगों को हमारा मासिक समाचार पत्र, एको ऑफ़ हिज कॉल, प्राप्त नहीं होता है, जिसे हम हर महीने बड़े प्रयास से आपको भेजते हैं।

हम यह पता लगाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि क्या हो रहा है, क्योंकि हमारे न्यूज़लेटर्स की कई प्रतियां विभिन्न कारणों से हमारे पास वापस आ गई हैं, जैसे, दरवाज़ा बंद, स्थानांतरित, समाप्त और अस्वीकृत। बाद में हमें पता चला कि इनमें से कुछ कारण ग़लत हैं। प्रिय मित्र, हम किसी भी तरह से आपकी संगति खोना नहीं चाहते, क्योंकि आप हमारे लिए बहुत विशेष हैं! इसलिए यदि आपको या आपके दोस्तों को विशिष्ट तिथियों पर हमारा न्यूज़लेटर, एको ऑफ़ हिज कॉल प्राप्त नहीं होता है, तो कृपया हमें पत्र, ई-मेल, व्हाट्सएप, एसएमएस या टेलीफोन कहल के माध्यम से बताएं। यदि आपका पता बदल गया है, तो कृपया हमें अपना पुराना और नया पता बताएं, ताकि हम एको ऑफ हिज कॉल की प्रतियां आपको दोबारा सही तरीके से भेज सकें। कृपया अपना ई.मेल पता भी भेजें। परमेश्वर आपको आशीष दे!

हम अपने सहकर्मियों की कड़ी मेहनत के माध्यम से अपना मासिक समाचार पत्र, एको ऑफ हिज़ कॉल नियमित रूप से निम्नलिखित नियत तिथियों पर 16 भाषाओं में पोस्ट और ई-मेल के माध्यम से भेजते हैं :

1. तमिल - पिछले महीने की 28 तारीख़।
2. अंग्रेजी - हर महीने की 2 तारीख
3. सिंहली - हर महीने की 2 तारीख
4. अफ़्रीकी - हर महीने की 4 तारीख़
5. मलयालम - हर महीने की 4 तारीख
6. तेलुगु - हर महीने की 6 तारीख

7. हिंदी - हर महीने की 9 तारीख
8. कन्नड़ - हर महीने की 10 तारीख
9. मराठी - हर महीने की 12 तारीख
10. असमिया - हर महीने की 12 तारीख़ को
11. बंगाली - हर महीने की 14 तारीख़
12. उर्दू - हर महीने की 14 तारीख़
13. नेपाली - हर महीने की 16 तारीख
14. गुजराती - हर महीने की 16 तारीख
15. उड़िया - हर महीने की 18 तारीख़ को
16. पंजाबी - हर महीने की 20 तारीख़

हम इन समाचार पत्रों को उन विशेष तिथियों पर अपनी वेबसाइट ***www.echoofhiscall.org*** पर भी अपलोड करते हैं। तो कृपया इस विकल्प का भी उपयोग करें। इस न्यूज़लेटर को प्राप्त करने में आपकी मदद करने के लिए 75 कर्मचारी कड़ी मेहनत करते हैं। एको ऑफ हिज़ कॉल के लिए संदेशों को पहले अंग्रेजी में लिखा जाता है और फिर संबंधित सहायक संपादकों द्वारा अन्य 15 भाषाओं में अनुवाद किया जाता है और फिर एको ऑफ हिज कॉल के पैटर्न के अनुसार टाइप और पेज किया जाता है।

पृष्ठांकित न्यूज़लेटर्स को हमारी प्रिंटिंग मशीन की मदद से मुद्रित किया जाता है, हाथ से मोड़कर, क्षेत्रानुसार और राज्य अनुसार अलग किया जाता है, बंडल किया जाता है, वाहनों में लोड किया जाता है और सटीक नियत तिथियों पर डाक नियमों के अनुसार डाक कर्मचारियों को सौंप दिया जाता है। कृपया इस सेवकाई में शामिल इन ७५ कार्यकर्ताओं के बारे में सोचें! चूँकि यह न्यूज़लेटर दुनिया भर में असंख्य लोगों के जीवन को छू रहा है, भाषा, संस्कृति और देश की परवाह किए बिना शैतान हमारे कार्यकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उन्हें आत्मिक युद्ध का सामना करने के लिए प्रेरित कर रहा है। क्या आप उनके लिए प्रार्थना करेंगे?

कृपया इस सेवकाई का हिस्सा बनने का कोई तरीका खोजने के लिए अपने दिल में विचार करें।

हमें हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए प्रार्थना भागीदारों और मानद समन्वयकों की आवश्यकता है जो इस समाचार पत्र को अपनी भाषाओं में पढ़ सकें और हर महीने इन समाचार पत्रों को बेहतर बनाने के लिए हमें सुझाव और विचार दे सकें। हम इस प्रकाशन सेवकाई को और अधिक प्रभावी ढंग से करना चाहते हैं।

हम आपकी प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार करते हैं और हमारे संपादकीय कहलम को इतने धैर्य से पढ़ने के लिए फिर से धन्यवाद देते हैं।

परमेश्वर की शांति आपके साथ रहे! आमीन।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858,
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे...

कोई प्यार नहीं है और मैं बहुत दुखी हूं।"

इस महिला की जिंदगी में मातम छा गया है। फिर भी वह अब भी उससे प्यार करती है और चाहती है कि वह अपने बुरे मार्गों से बाहर आए और परमेश्वर को स्वीकार्य जीवन जिए। लेकिन वह अपनी सारी भावनाओं से थक चुकी है और बीमार हो गई है। वह अक्सर सोचती है, "हे परमेश्वर, यह मुझे नाश करने वाला है। मुझे नहीं लगता कि मैं इन कष्टों को और अधिक सह सकूंगी। मैं कैसे आगे बढ़ सकती हूं?"

दूसरी महिला ने बताया : मैं सात वर्षों से अधिक समय से आंतों की एक भयानक समस्या से जूझ रही हूं। मेरे पति की भी तबीयत खराब है। हमारी वित्तीय स्थिति बहुत ख़राब है, हालांकि हम कभी भी फालतू चीज़ों पर पैसा खर्च नहीं करते हैं। और अब मेरे उनहत्तर वर्षीय पिता कैंसर से पीड़ित हैं। हम आपसे हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए बिनती करते हैं।"

हर दिन इस महिला को एक पीड़ित पिता, एक बीमार पति, भारी शारीरिक पीड़ा और वित्तीय दु:स्वप्न का सामना करना पड़ता है। मुझे आश्चर्य है कि वह कितनी बार चिल्लाई होगी, "परमेश्वर, ये दुश्मन मेरे लिए बहुत मजबूत हैं। मेरे जैसा कमज़ोर, असहाय व्यक्ति कैसे सह सकता है? हम इससे कैसे बाहर निकलने जा रहे हैं?"

एक पादरी ने लिखा : "पिछले जुलाई में मैंने अपने प्रोस्टेट, जो कि कैंसर से भरा हुआ था, की आमूल-चूल सर्जरी करवाई। डॉक्टरों ने इसके आस-पास के टिश्यू भी हटा दिए और जीना मुश्किल कर दिया। अब मुझे मधुमेह और पेट का अल्सर भी हो गया है। क्या आप कृपया मेरे लिए प्रार्थना करेंगे?"

यह व्यक्ति प्रतिदिन कितने बड़े शत्रुओं का सामना करता है! वह इस डर में रहता है कि कहीं उसका कुछ कैंसर बाकी न रह जाए। और उसे मधुमेह और अल्सरयुक्त पेट से लड़ना है। मुझे आश्चर्य है कि वह कितनी बार पूछता है, "मैं इसका सामना कैसे जारी रख सकता हूं? मैं इसे कभी कैसे ठीक कर पाऊंगा?"

प्रभु में एक बुजुर्ग बहन ने लिखा : "मैं मार्च में इक्यासी वर्ष की हो जाऊंगी, और मुझे गठिया और मधुमेह है। मेरी पीठ और पैर कमज़ोर हैं, और मैं मुश्किल से चल पाती हूं। क्योंकि, मैं अकेली रहती हूं। मुझे अपना घर का काम खुद ही करना पड़ता है। मेरे पास ज्यादा पैसा या कोई रिश्तेदार नहीं है। कृपया मेरे लिए प्रार्थना करें।"

मैं दर्द से जूझ रही इस महिला को हर सुबह उठने के लिए संघर्ष करते हुए, खाना पकाने के लिए संघर्ष करते हुए, अपने घर को संभालने के लिए संघर्ष करते हुए देखता हूं - ऐसे में उसकी मदद करने वाला कोई नहीं है। वह कभी-कभी सोचती है, "मैं एक और दिन कैसे गुज़ारूंगी? सुबह जब मैं बिस्तर से नहीं उठ पाऊंगी तो मेरा क्या होगा?"

एक और प्रिय बहन ने लिखा : "मुझे

अभी मेरे पति से खबर मिली कि उनकी ग्रासनली में लाइलाज कैंसर है। वह एक धर्मनिष्ठ पति और मेरे चौदह वर्षीय बेटे के लिए एक अद्भुत पिता रहे हैं। प्रार्थना करें कि मैं मजबूत बनी रहूं और इससे मेरा विश्वास बढ़े।"

कई अन्य लोगों की तरह, जिन्होंने हमें लिखा है, यह गरीब महिला हर दिन एक बड़ी समस्या का सामना करने की ताकत के लिए रो रही है।

मैंने अपने जीवनकाल में मसीहियों के बीच ऐसी परेशानियों, पीड़ा और दर्द के बारे में कभी नहीं सुना - विवाह संघर्ष, वित्तीय समस्याएं, शारीरिक परीक्षण, अंतहीन दुःख। लोग पूछ रहे हैं, "मैं इसमें से कैसे बाहर निकल पाऊंगा? ये सभी शत्रु मेरे लिए बहुत शक्तिशाली हैं। मैं कमज़ोर हूं, असहाय हूं, उनके बारे में कुछ भी करने में असमर्थ हूं। परमेश्वर, मैं इससे कैसे पार पा सकता हूं?"

सच तो यह है कि इनमें से किसी भी भयानक बात ने परमेश्वर को आश्चर्यचकित नहीं किया है। उसने मानवजाति के साथ होने वाली हर भयानक चीज़ की भविष्यवाणी कर दी है, जिसमें आज हमारे सामने आने वाला हर संकट और समस्या भी शामिल है। और बाइबल हमें बताती है कि परमेश्वर हमें दिखाना चाहता है कि उन सबका सामना कैसे करना है।

प्रभु ने मूसा से आशा के दो शब्द कहे जो आज हमारे लिए भी अभिप्रेत हैं। यदि हम वैसा ही करेंगे जैसा वह निर्देश देते हैं, तो हम न केवल अपनी परीक्षाओं में सफल होंगे, बल्कि हम प्रभु को अपने वादों को पूरा करने में भी विश्वासयोग्य पाएंगे :

1. परमेश्वर हमें आदेश देता है कि हम अपने किसी भी शत्रु से न डरें!

"उनसे मत डरना" व्यवस्थाविवरण 7:12 इस्राएल के लिए, 'वे' उन विशाल, अच्छी तरह से सशस्त्र मूर्तिपूजक राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करते थे जिनका उन्होंने प्रतिज्ञा के देश में सामना किया था। आज हमारे लिए, 'वे' हमारे जीवन में आने वाली हर समस्या, परेशानी और भारी कठिनाई का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आप पूछते हैं, हमें डरने की ज़रूरत क्यों नहीं है? परमेश्वर कहता है! किसी अन्य स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है. परमेश्वर सर्वशक्तिमान है, सर्वथा पर्याप्त है - और वह उन शैतानी गढ़ों से अवगत है जिनका हम सामना कर रहे हैं। वह हर उस जाल, परीक्षा और प्रलोभन को जानता है जो कभी हम पर डाली जाएगी। और वह हमें आज्ञा देता है, "तुम उन में से किसी से मत डरना!"

परमेश्वर ने अब्राहम को यह आदेश दिया। यहां एक व्यक्ति एक पराए देश में रहता था, जो सामर्थी राजाओं से घिरा हुआ था, यह नहीं जानता था कि उसका अंत कहां होगा। फिर भी परमेश्वर का उसे पहला शब्द था, 'डरो मत!' **"इन बातों के पश्चात् यहोवा का यह वचन दर्शन में अब्राम के पास पहुंचा : हे अब्राम, मत डर; तेरी ढाल और तेरा अत्यन्त बड़ा प्रतिफल मैं हूँ।"** उत्पत्ति 15:1 इस अंतिम वाक्यांश का अर्थ है, 'मैं तुम्हारे चारों ओर एक दीवार बनूंगा, तुम्हारा रक्षक, तुम्हारी सुरक्षा'। संक्षेप में, परमेश्वर अब्राहम से कह रहा था, "तुम्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन मैं उन सभी के माध्यम से तुम्हारी रक्षा करूंगा।" **"उसने यहोवा पर विश्वास किया; और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धर्म गिना।"** उत्पत्ति 15:6

यही बात अब्राहम के पुत्र इसहाक को भी सुनाई दी। वह भी शत्रुतापूर्ण वातावरण में रहता था, पलिश्तियों से घिरा हुआ था जो उससे नफरत करते थे, उसे परेशान करते थे और उसे अपनी भूमि से हटाना चाहते थे। पवित्रशास्त्र कहता है कि जब भी इसहाक ने पानी के लिए कुआँ खोदा, पलिश्तियों ने उन्हें वापस भर दिया : **"जितने कुओं को उसके पिता अब्राहम के दासों ने अब्राहम के जीते जी खोदा था, उनको पलिश्तियों ने मिट्टी से भर दिया"** उत्पत्ति 26:15 इसहाक जहां भी जाता, उसे यही समस्या होती। उन्होंने एक कुएं को 'ईसेक' भी कहा, जिसका अर्थ है 'कलह'। जाहिर है, इसहाक को कुछ भी महसूस नहीं हुआ लेकिन उसके जीवन में कलह था। उसने सोचा होगा, "मैं अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करूंगा और अपनी भेड़-बकरियों को कैसे पानी पिलाऊंगा? और जब पलिश्ती हमें किसी भी समय लूट सकते हैं, तो मैं अपने बच्चों को बिना किसी डर के कैसे पाल सकता हूं? परमेश्वर, आप ने मुझे यहां क्यों रखा है? मैं इसमें से

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 54 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

PRAISE & PRAYER POINTS - From 2023 September 19 To October 18

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ सितंबर : एको ऑफ हिज़ कॉल की 55वीं वर्षगांठ समारोह को आशीष दें।

२० सितंबर : हमें अपनी पत्रिका को अपने प्रिंटिंग प्रेस में १६ भाषाओं में मुद्रित और प्रकाशित करने और मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाने के लिए।

२१ सितंबर : हमारे प्रार्थना साझेदारों, सदस्यता साझेदारों, विश्वास साझेदारों, जीवन साझेदारों और महान आयोग साझेदारों और उनके परिवारों के प्रति परमेश्वर की दया के लिए।

२२ सितंबर : एको ऑफ हिज़ कॉल की सेवकाई के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा करना।

२३ सितंबर : हमारे एको ऑफ हिज़ कॉल यूट्यूब मीडिया सेवकाई के 5 मिनट के संदेशों के कारण प्राप्त होने वाली गवाही की आशीष के लिए।

२४ सितंबर : हमारे सेंट पॉल मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेमायाह बाइबल कॉलेज और बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

२५ सितंबर : हमें अपने एको ऑफ हिज़ कॉल पत्रिकाओं के लिए समर्पित समन्वयक ढूंढने में सक्षम बनाना।

२६ सितम्बर : मिशन कार्यकर्ताओं की ओर से महान समर्पण।

२७ सितंबर : हमारा गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस और कुशल श्रमिकों के साथ इसका निरंतर कामकाज।

२८ सितंबररू हमारे आवासीय और सान्ध्यकालीन नहेमायाह बाइबल कॉलेज के लिए नए छात्र उपलब्ध कराना।

२६ सितंबर : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम की उन्नति के लिए।

30 सितंबर : हमें अपने आवासीय नहेमायाह बाइबल कॉलेज, वेलाचेरी के लिए मेट्रो जल और सीवेज कनेक्शन प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

01 अक्टूबर : हमारी सेवकाई को समर्पित सहयोगी संपादकों की आशीष के लिए जो एको ऑफ हिज़ कॉल पत्रिका की सहायता करते हैं।

02 अक्टूबर : मुख्य कलीसिया और शाखा कलीसियाओं में हमारी रविवारीय सेवाओं में परमेश्वर के वचन की सामर्थ।

03 अक्टूबर : वरिष्ठ पासबान और विविध सेवकाइयों के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने की उनका समर्पण।

प्रार्थना विषय

04 अक्टूबर : हमें भारत के उन लोगों तक सुसमाचार के साथ पहुंचने में सक्षम बनाए।

05 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों को सभी प्रकार की बुरी ताकतों से सुरक्षित रखने के लिए।

06 अक्टूबर : हमारे कार्यालय के कर्मचारी और छपाई कर्मचारियों को के अच्छे स्वास्थ्य के लिए।

07 अक्टूबर : हमारे सान्ध्यकालीन और आवासीय नहेमायाह बाइबिल कॉलेज के छात्रों की सुरक्षा।

08 अक्टूबर : भगवान इस महीने की हमारी जरूरतों को पूरा करें।

09 अक्टूबर : हमारी सेवकाई के विस्तार और दुनिया भर में सुसमाचार का प्रचार।

10 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पासबान की अपनी आत्मकथा लिखने में सफलता।

11 अक्टूबर : पूरी दुनिया में शांति कायम हो।

12 अक्टूबर : पूरे विश्व में मिशनरी कार्यकर्ताओं की ईश्वरीय सुरक्षा।

13 अक्टूबर : परमेश्वर की दया और कृपा मणिपुर राज्य पर हो और मैतेई और कुकी आदिवासी समुदायों के बीच शांति हो।

14 अक्टूबर : हमारे अंग्रेजी सहायक सम्पादक डॉ. रिचर्ड सैमुअल और हमारे मराठी सहायक सम्पादक शशिकांत तिवारी की पत्नी श्रीमती सुवार्ता को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ।

15 अक्टूबर : दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक मंदी समाप्त हो।

16 अक्टूबर : प्राकृतिक आपदाओं से दुनिया भर के लोगों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा।

17 अक्टूबर : परमेश्वर सभी देशों को परमेश्वर से डरने वाले नेताओं से आशीषित करे।

18 अक्टूबर : दलितों के आर्थिक उत्थान के लिए।

पृष्ठ 4 से आगे:..

पार कैसे हो सकता हूं?"

जब इसहाक के सिर पर संदेह का बादल मंडरा रहा था, परमेश्वर ने उसे वही वचन दिया जो उसने अब्राहम को दिया था, **"मैं तेरे पिता अब्राहम का परमेश्वर हूँ; मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ, और अपने दास अब्राहम के कारण तुझे आशीष दूँगा, और तेरा वंश बढ़ाऊँगा।"** उत्पत्ति 26:24

आज, इसहाक की तरह, हम अब्राहम की संतान हैं। और परमेश्वर ने हमसे वही प्रतिज्ञा की जो उसने अब्राहम और उसकी संतान से की थी। **"और यदि तुम मसीह के हो तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।"** गलातियों 3:29 हम उसी परमेश्वर की सेवा करते हैं जो अब्राहम की ढाल था। और वह उतनी ही सामर्थ के साथ हमारे साथ है!

हमारा स्वर्गीय पिता हमारे जीवन के हर कदम पर नज़र रखता है। और हमारे सभी संकटों और कठिनाइयों के बावजूद, वह हमें धर्मशास्त्र में बार-बार आदेश देता है : "मत डर!" हमें यह विश्वास नहीं करना चाहिए कि हमारी समस्याएं हमें नीचे गिरा देंगी और हमें नष्ट कर देंगी - क्योंकि हमें यह जानना है कि वह हमारी ढाल है।

"हे इस्राएल, तू क्या ही धन्य है! हे यहोवा से उद्धार पाई हुई प्रजा, तेरे तुल्य कौन है? वह तो तेरी सहायता के लिये ढाल, और तेरे प्रताप के लिये तलवार है; तेरे शत्रु तुझे सराहेंगे, और तू उनके ऊँचे स्थानों को रौंदेगा।" व्यवस्था 33:29

परमेश्वर हमसे कह रहा है, "यह झूठ है कि मैंने तुम्हें त्याग दिया है! यह झूठ है कि मैं तुमसे नाराज़ हूं और मैंने तुम्हें अपने दुश्मनों से लड़ने के लिए छोड़ दिया है। ये सब शैतान के झूठ हैं!"

मैं उन सभी मसीहियों को संबोधित करना चाहता हूं जो भयावह पाप से जूझ रहे हैं!

क्या आप हर दिन किसी भयावह वासना या आदत के कारण पीड़ा में जागते हैं? क्या आप यह सोचकर पीड़ा में रहते हैं, "यह भयानक चीज़ अभी भी मुझमें जीवित है"?

परमेश्वर आपके हृदय में बचे हुए पाप के बारे में सब कुछ जानता है। और वह जानता है कि आप उस से किस प्रकार बैर रखते हैं और उस पर रोए हैं। अब वह चाहता है कि आप यह शब्द सुनें ५ "मत डर! मैं तुम्हारी ढाल, तुम्हारा रक्षक हूं; तुम्हारी रक्षा, सभी शत्रुओं के विरुद्ध तुम्हारी पवित्रता की तलवार। मैं तुम्हारे लिए प्रलोभन से बाहर निकलने का रास्ता जानता हूं। और मैं तुम्हें युद्ध करना सिखाऊंगा!"

दाऊद यह जानता था। इसीलिए वह कह सका, **मैं हानि से नहीं डरूंगा...** भजन 23:4

उसे एहसास हुआ कि यदि वह डरा तो शैतान को जीत मिलेगी।

प्रियों, शत्रु आपके विरुद्ध इसी प्रकार कार्य करता है। वह चाहता है कि आप अपने पापों से डरें/डरें कि आप कभी मुक्त नहीं होंगे, कभी आज़ाद नहीं होंगे। लेकिन परमेश्वर सभी दु:खी, आहत संतों से कहते हैं : "मत डरो! मैं तुम्हारे सारे कष्ट देखता और जानता हूं। और मैं शैतान को तुम्हें नष्ट करने की अनुमति नहीं दूंगा!"

आप पूछ सकते हैं, "लेकिन मुझे क्या करना चाहिए? इन सबके बीच मुझे प्रभु की शांति और विश्राम कैसे मिल सकता है?"

इसका उत्तर मूसा और इस्राएल को लिखे परमेश्वर के वचन में मिलता है। उनके आगे समुद्र था, और उनके पीछे शत्रु था और उनके मुड़ने की कोई जगह नहीं थी, परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी :

"डरो मत, खड़े खड़े वह उद्धार का काम देखो, जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा; क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो, उनको फिर कभी न देखोगे। यहोवा आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा, इसलिये तुम चुपचाप रहो।" निर्गमन 14:13–14

इस अंतिम वाक्यांश का क्या अर्थ है - "अपनी शांति बनाए रखें"? इसका मतलब है कि अब और चिंता न करें, हर चीज़ का पता लगाने की कोशिश न करें - और इसके बजाय परमेश्वर पर भरोसा रखें कि वह आपके लिए रास्ता बनाएगा। तभी वह आपको अपना दिशा-निर्देश देता है, जैसे उसने इस्राएल को दिया था : **...कूच करें।** निर्गमन 14:15

यहोशू को कठिन शत्रुओं का भी सामना करना पड़ा। उसे और उसकी सेना को पूरी रात गिबोन तक कूच कर जाना पड़ा, जहां उन्हें पांच संघीय राजाओं के विशाल सैन्य यंत्र का सामना करना पड़ा। जैसे ही यहोशू ने युद्ध के मैदान की ओर देखा, उसे शक्तिशाली रथों और अच्छी तरह से प्रशिक्षित पैदल सैनिकों से भरी घाटी दिखाई दी। और उसके पास केवल अकुशल लोगों का

नहेम्याह बाइबल कॉलेज

EVENING COLLEGE

Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 REACHING NATIONS

ATA NEHEMIAH BIBLE COLLEGE CHENNAI Regd. Candidate for Membership ★ ECHO OF HIS CALL Estd. 1969

माध्यम: तमिल

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 54 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

Diploma in Ministry : One year
Diploma in Theology : Two years
Bachelor of Theology : Three years

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, BELLS ROAD, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

एक थका हुआ समूह था।

उस क्षण, यहोशू पर निराशा के बादल छा गए होंगे। उसने शायद सोचा, "हे प्रभु, हम मुश्किल से ही यहां तक पहुंचे हैं – और अब हमें इस मजबूत दुश्मन से लड़ना है। कृपया, मुझे बताएं – हम क्या करने जा रहे हैं?"

पवित्र शास्त्र कहता है :**"और यहोवा ने यहोशू से कहा, उनसे मत डर, क्योंकि मैं ने उनको तेरे हाथ में कर दिया है; उनमें से एक पुरुष भी तेरे सामने टिक न सकेगा।"** यहोशू 10:8

यहोशू के युद्ध में जाने से पहले ही परमेश्वर ने विजय की घोषणा कर दी थी। उन्होंने कहा, "जीत पहले ही मिल चुकी है! युद्ध के बाद इनमें से एक भी शत्रु सैनिक खड़ा नहीं रहेगा। अब, जाओ और लड़ो, यह जानते हुए कि मैंने तुम्हें जीत का वादा किया है!"

यही क्रूस का संदेश है! हमारी जीत पहले ही हो चुकी है। चाहे हम किसी भी संकट का सामना करें, चाहे कितनी भी कठिन कठिनाइयां हमारे सामने क्यों न हों, हमारी जीत सुनिश्चित है :. ..**"परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।"** रोमियों 8:37

क्या इसका मतलब यह है कि हमें कुछ नहीं करना है – कि हमें खड़े रहना है और उम्मीद करना है कि परमेश्वर हमारे सभी दुश्मनों को मारने के लिए एक स्वर्गदूत भेजेगा? नहीं, कभी नहीं! भले ही परमेश्वर ने हमारी जीत की घोषणा की है, वह हमारे लिए अपनी भूमिका नहीं निभाएगा।

"और इन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको। और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।" इफिसियों 6:16,17

दुश्मन से लड़ने के लिए हमें अभी भी तलवार उठानी होगी। अंतर यह है कि हमें यह विश्वास करना है कि परमेश्वर ने हमें सामर्थी बनाने का वादा किया है : **"परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।"** 1 कुरिं 15:57

पवित्र आत्मा हमारे विश्वास पर प्रतिक्रिया करता है। जब हम उसे पुकारते हैं, तो वह शरीर के कार्यों को ख़त्म करने के लिए अलौकिक सामर्थ के साथ हमारे पास आता है। हमारा भाग विश्वास है और फिर इस विश्वास में चलना कि परमेश्वर का आत्मा हमारे खिलाफ आने वाली बुराई की सामर्थ का विरोध करेगा।

२. परमेश्वर हमें यह याद रखने का आदेश देते हैं कि कैसे उन्होंने भूतकाल में

हमारे सभी शत्रुओं को हराया था!!

मूसा ने इस्राएल से कहा, **"तौभी उनसे न डरना, जो कुछ तेरे परमेश्वर यहोवा ने फ़िरौन से और सारे मिस्र से किया उसे भली भाँति स्मरण रखना। जो बड़े बड़े परीक्षा के काम तू ने अपनी आँखों से देखे, और जिन चिह्नों, और चमत्कारों, और जिस बलवन्त हाथ, और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ को निकाल लाया, उनके अनुसार तेरा परमेश्वर यहोवा उन सब लोगों से भी जिनसे तू डरता है करेगा।"** व्यवस्था 7:18—19

कितना सामर्थी संदेश है! मूसा इस्राएलियों को याद दिला रहा था, "चाहे आप किसी भी शत्रु का सामना करें, परमेश्वर ने आपको उन सभी पर विजय का वादा किया है। उसने तुम्हारे पुरखाओं को फ़िरौन से बचाया, और आज वह तुम्हारे लिए भी वही करेगा!"

"और स्मरण रखना कि तू भी मिस्र में दास था; इसलिये इन विधियों के पालन करने में चौकसी करना।" व्यवस्था 16:12

लोगों के लिए मूसा की पुकार थी, "भूतकाल को याद करें! यदि आपको लगता है कि आप यहां जंगल में कठिन समय बिता रहे हैं, तो उन सभी भयों के बारे में सोचें जिनका आपने मिस्र में सामना किया था। यह न भूलें कि जब तुम सब गुलामी में थे तो जीवन कैसा था। और वह सब कुछ याद रखें जो परमेश्वर ने तुम्हें छुड़ाने के लिए किया था – तुम्हें बचाने और तुम्हें इन सब से पवित्र करने के लिए!"

भविष्यवक्ता यशायाह ने भी उन लोगों को परमेश्वर का वचन सुनाया जो भय से भरे हुए थे। यह उस समय की बात है जब इस्राएल को विश्वास हो गया था कि परमेश्वर ने उन्हें त्याग दिया है। वे इस डर से कांप उठे कि उनके शत्रु उनके साथ क्या करेंगे। परन्तु यशायाह ने उन्हें आश्वासन दिया : **"तू कौन है जो मरनेवाले मनुष्य से, और घास के समान मुर्झानेवाले आदमी से डरता है, और आकाश के ताननेवाले और पृथ्वी की नींव डालनेवाले अपने कर्ता यहोवा को भूल गया है, और जब द्रोही नाश करने**

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

लम्बी दाढ़ी वाला खूबसूरत व्यक्ति

HANDSOME MAN WITH LONG BEARD!

"उसको यहोवा के दूत ने दर्शन देकर कहा, हे शूरवीर सूरमा, यहोवा तेरे संग है।" न्यायियों 6:12

मैंने अपने किराये के घर में अधिकांश जगह चेन्नई (मद्रास) के अपने पहले चर्च के उपयोग के लिए आवंटित की, जो अकबर साहब नामक सड़क पर स्थित था। हमारे सभी पड़ोसी मुस्लिम भाई थे जिन्हें प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार पसंद नहीं था। लेकिन परमेश्वर ने मुझे केवल उस क्षेत्र में अपना कार्य करने के लिए प्रेरित किया!

अपनी अन्य मसीही सुसमाचार प्रचार गतिविधियों के साथ-साथ व्यक्तिगत प्रचार अभियान के साथ, मैंने प्रत्येक रविवार को सुबह ६ बजे चर्च सेवाएँ शुरू कीं। सेवा में, मुझे अपने संगीत वाद्ययंत्र, अकॉर्डियन का उपयोग करके गाने और परमेश्वर की आराधना करने की आदत थी, जैसे कि मेरे सामने एक विशाल सभा हो। इलाके के लोगों के साथ-साथ आम जनता भी इस शोर से बहुत खुश नहीं थी. इसलिए पहले कुछ वर्षों तक उपस्थिति बहुत कम या शून्य थी।

वर्ष १९८४ के दौरान एक विशेष रविवार की सुबह, मैंने चर्च सेवा के लिए जगह तैयार की और सेवा शुरू करने के लिए सभी व्यवस्थाएँ कीं। मैंने बहुत उत्साह से प्रार्थना की और परमेश्वर से कम से कम कुछ आत्माओं को सेवा में लाने की प्रतीक्षा करता रहा। चूँकि उस विशेष दिन कोई भी नहीं आया था, मैं मन ही मन उदास हो गया और शारीरिक रूप से थक गया। इसलिए मैं टूटे हुए दिल के साथ अपने घर के दूसरे कमरे में जाकर लेट गया.

उसी समय मुझे एक स्वप्न आया. लंबी दाढ़ी वाला एक बूढ़ा और सुंदर आदमी मुख्य दरवाजे से चर्च हॉल के अंदर दाखिल हुआ। काफी संख्या में लोगों ने उनका अनुसरण किया. लेकिन उनके चेहरे साफ नजर नहीं आ रहे थे। उसने लोगों के साथ मिलकर बिजली की बत्तियाँ और पंखे चालू कर दिए और घुटनों के बल बैठकर जीवित परमेश्वर की प्रार्थना और आराधना करने लगा। चूँकि आवाज़ इतनी तेज़ थी कि मैं लेट नहीं सका। तो जैसे ही मैं उठा और बहुत डर और श्रद्धा के साथ कमरे में दाखिल हुआ। लेकिन वहां कोई नहीं था। वह आदमी और कमरे में मौजूद लोग अचानक गायब हो गए थे।

कुछ मिनटों के बाद, रेव डॉ. बेविन लॉरेंस नाम के एक परमेश्वर के सेवक और उनकी पत्नी श्रीमती सेरेना बेविन नवजात शिशु के साथ चर्च में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि उन्हें उस दिन चर्च आने के लिए परमेश्वर के आत्मा ने प्रेरित किया था। फिर कुछ मिनटों के बाद कुछ और नए लोग भी आए और आराधना में शामिल हुए और उसके बाद परमेश्वर ने हमारे चर्च को और अधिक आशीर्वाद देना शुरू कर दिया।

हमारा परमेश्वर हर समय अच्छा है. वह किसी भी व्यक्ति के जीवन में, किसी भी समय, किसी भी तरह से चमत्कार कर सकता है। आज आप अपने जीवन में परमेश्वर के हस्तक्षेप के लिए भी उस पर भरोसा कर सकते हैं।

को तैयार होता है तब उसकी जलजलाहट से दिन भर लगातार थरथराता है? परन्तु द्रोही की जलजलाहट कहाँ रही?" यशायाह 51:12—13

परमेश्वर ने भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा, "तुम इसलिए डरते हो क्योंकि तुम भूल गए हो कि मैं कौन हूं। आप मेरी सामर्थ और आपको छुटकारा दिलाने की क्षमता के बजाय केवल अपनी परेशानियों को देख रहे हैं। तुम भूल गए हो कि मेरा हाथ अब भी तुम्हारे जीवन पर है!"

आपको अपने जीवन में परमेश्वर के आश्चर्यकर्म को याद रखने में परेशानी हो सकती है। आप सोच सकते हैं, "मेरा जीवन एक लंबा, कठिन दुःस्वप्न रहा है। मेरे पास आनन्दित होने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों को कैसे याद रख सकता हूं जब मैंने उनका अनुभव ही नहीं किया है?"

आपको यह समझना चाहिए कि हमारे अनुभव विश्वास को प्रेरित कर सकते हैं। लेकिन वे हमारे विश्वास की नींव नहीं हैं। इसीलिए परमेश्वर का वचन हमेशा हमें यीशु मसीह ने जो किया है उसकी ओर इशारा करता है। हमें हमारे लिए क्रूस पर उनकी जीत को याद रखना है और विश्वास के साथ उससे जुड़े रहना है। वह अकेले ही अपने आत्मा के द्वारा हमें विजय प्राप्त करने के द्वारा सामर्थ देता है।

यीशु मसीह ने कहा, "मैं अपने पिता के पास वापस जाता हूं, मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूंगा।"

"परन्तु अब मैं अपने भेजनेवाले के पास जाता हूँ;" यूहन्ना 16:5 **"मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूंगा।"** यूहन्ना 14:18 यहां 'अनाथ' कि लिए शब्द का अर्थ है वियुक्त, बिना पिता के।

कभी-कभी आप महसूस कर सकते हैं जैसा कि चेले ने बाद में किया था कि आप बिल्कुल अकेले हैं, और परमेश्वर आपके लिए काम नहीं कर रहा है। आपको उसकी देखभाल का कोई सबूत नहीं दिखता। और शैतान आप से झूठ बोलता है, कि परमेश्वर का आत्मा तुम्हें कुछ समय के लिये छोड़ गया है, और वह आपके बुढ़ापे में आपको छोड़ देगा।

लेकिन एक अविश्वसनीय चमत्कार है जिसे आप भूल नहीं सकते। यह यीशु मसीह का अपने सभी अनुयायियों से किया गया वादा है : "मैं तुम्हें अनाथ के रूप में नहीं छोड़ूंगा! मैंने तुम्हारे लिए कीमत चुकाई!! तुम मेरे हो!!!" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस दौर से गुजर रहे हैं, आपके स्वर्गीय पिता ने कभी भी आपके बारे में कोई विचार नहीं छोड़ा है और वह कभी भी ऐसा नहीं करेगा। उनके शाश्वत, अटूट वादे को सुनें :

"परन्तु सिय्योन ने कहा, यहोवा ने मुझे त्याग दिया है, मेरा प्रभु मुझे भूल गया है। क्या यह हो सकता है कि कोई माता अपने दूधपीते बच्चे को भूल जाए और अपने जन्माए हुए लड़के पर दया न करे? हाँ, वह तो भूल सकती है, परन्तु मैं तुझे नहीं भूल सकता। देख, मैं ने तेरा चित्र अपनी हथेलियों पर खोदकर बनाया है; तेरी शहरपनाह सदैव मेरी दृष्टि के सामने बनी रहती है।" यशायाह 49:14–16

यह अनुच्छेद हमें बताता है, "आपकी सुरक्षा की आवश्यकता हमेशा मेरी आंखों के सामने रहती है! ऐसा कोई क्षण नहीं है जब मैं अपनी अलौकिक दीवारों को आपके चारों ओर सुरक्षित रखने के बारे में चिंतित न हो!! मेरा सुरक्षा कवच हमेशा मौजूद है!!!"

मैं कुछ मांओं को जानता हूं - जिनमें पास्टरों की पत्नियां भी शामिल हैं - जिन्होंने अपने बच्चों को त्याग दिया है। अभी कुछ हफ़्ते पहले एक पास्टर ने हमें लिखा था : "मेरी शादी को पच्चीस साल हो गए हैं, लेकिन मेरी पत्नी ने हाल ही में मुझे एक ऐसे व्यक्ति के लिए छोड़ दिया, जिससे वह इंटरनेट के ज़रिए मिली थी। वह हमारे बच्चों को और मुझे छोड़कर चली गई। मैं अब भी उससे प्यार करता हूं और चाहता हूं कि वह घर आए, लेकिन वह नहीं आएगी। मैं इस समय इतनी बुरी तरह आहत हूं कि सो नहीं पा रहा हूं। मुझे नहीं पता कि मैं इसे कैसे सह पाऊंगा"।

परमेश्वर ने इस व्यक्ति को उत्तर दिया, "आपकी प्यारी पत्नी भी आपको छोड़ सकती है - लेकिन मैं कभी नहीं छोड़ूंगा। तुम्हारे चारों ओर मेरी दीवारें हमेशा सुरक्षित रहेंगी!"

हमारी सेवकाई को उन स्त्रियों से कई पत्र मिलते हैं जो दशकों से शराबी पतियों के साथ रह रही हैं। जैसे ही मैं उनकी निराशा के बारे में पढ़ता हूं, मैं पूछता हूं, "परमेश्वर, इन विश्वासयोग्य स्त्रियों को बिना किसी आशा के संकेत के इतने लंबे समय तक कष्ट क्यों सहना पड़ता है?" मुझे कभी समझ नहीं आया कि मेरी पत्नी को इतनी शारीरिक पीड़ा क्यों उठानी पड़ी। उसके अट्ठाईस ऑपरेशन हुए हैं, जिनमें से छह कैंसर के थे - चालीस से अधिक वर्षों तक भयानक दर्द। कोई भी सेवक या ईश्वरविज्ञानी मुझे कभी यह नहीं समझ सका कि वह इस तरह से पीड़ित क्यों रहती है।

फिर भी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हममें से किसी को क्या सहना पड़ा है, या हमें इसे कितने समय तक सहना है। सबसे बढ़कर एक बात सत्य है :

परमेश्वर का अनुग्रह हमें सभी बातों में सम्हाले रखने के लिए पर्याप्त है!

प्रेरित पौलुस ने परमेश्वर को पुकारकर कहा, "हे प्रभु, कृपया मुझे मेरे शरीर में लगे इस कांटे से छुड़ाओ!" परन्तु प्रभु ने उसे उत्तर "तेरे लिये मेरा अनुग्रह पर्याप्त है" 2 कुरिन्थियों 12:9। परमेश्वर ने अपने सेवक से कहा, "पौलुस, तुम्हें इस कांटे के साथ रहना होगा। लेकिन तेरे दर्द के बीच, मैं तुझे वह सारा अनुग्रह दूंगा जिसकी तुझे आवश्यकता है। मेरे पास तेरे लिए असीमित प्रयोजन है!" प्रभु चाहता है कि हम जाने कि उसका अनुग्रह हमारी परिस्थितियों में उसके द्वारा लाए गए छुटकारे से अधिक सामर्थी है। क्यों? उसके अनुग्रह में इस बात का पूरा प्रकाशन है कि वह कौन है! सरल शब्दों में कहें तो, परमेश्वर का अनुग्रह यीशु मसीह ने पूरी तरह से प्रकट किया - पूरी पवित्रता में, फिर भी कोमल, दयालु हृदय के साथ।

हमारा स्वर्गीय पिता हमारी हर पीड़ा को देखता है और वह हमसे ये अद्भुत प्रतिज्ञाएं करता है :

"धर्मियों की मुक्ति यहोवा की ओर से होती है; संकट के समय वह उनका दृढ़ गढ़ है।" भजन 37:39

"क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा। इसलिये हम निडर होकर कहते हैं, "प्रभु मेरा सहायक है, मैं न डरूँगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।" इब्रानियों 13:5–6

"मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ; मैं तुझे दृढ़ करूँगा और तेरी सहायता करूँगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे सम्भाले रहूँगा।

देख, जो तुझ से क्रोधित हैं वे सब लज्जित होंगे; जो तुझ से झगड़ते हैं उनके मुँह काले होंगे और वे नष्ट होकर मिट जाएँगे। जो तुझ से लड़ते हैं उन्हें ढूँढ़ने पर भी तू न पाएगा; जो तुझ से युद्ध करते हैं वे नष्ट होकर मिट जाएँगे।

क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा, तेरा दाहिना हाथ पकड़कर कहूँगा, "मत डर, मैं तेरी सहायता करूंगा। जब दीन और दरिद्र लोग जल ढूंढ़ने पर भी न पायें और उनका तालू प्यास के मारे सूख जाये; मैं यहोवा उनकी विनती सुनूंगा, मैं इस्राएल का परमेश्वर उनको त्याग न दूंगा।" यशायाह 41:10–13,17

आप इसे किसी भी स्थिति, संकट या आपदा से पार पा सकते हैं - यह सब यीशु मसीह के अनुग्रह से। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके रास्ते में क्या आता है, उसके पास आपके लिए पर्याप्त अनुग्रह और पवित्र आत्मा की सांत्वना से कहीं अधिक है!

"इसलिये परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिस से वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए।" 1 पतरस 5:6

"इसलिये अपना हियाव न छोड़ो क्योंकि उसका प्रतिफल बड़ा है।" इब्रानियों 10:35

* * * * * * * * * * * * * * *

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : S. Sam Selva Raj
A/C No. : 1023 2934 679
IFSC : SBIN 00 00 249
SWIFT CODE : SBI NIN BB 455

2. Bank : ICICI Bank

Branch : Anna Salai, Chennai-6
Name : Echo of His Call
A/C No. : 6038 0502 2319
IFSC : ICIC 000 6038

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : Echo of His Call Educational Trust
A/C No. : 1023 2923 805
IFSC : SBIN 00 00 249

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ

*****

E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th SEPTEMBER, 2023
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**